(ग) सुरंगनुमा रास्ते का एक बड़ा प्रवेश द्वार था

(घ) सुरंगनुमा रास्ते से आम लोगों को जाने की मनाही थी। चंद चुनिंदा लोग सिक्योरिटी पास से ही जा सकते थे।

2. *छोटू सुरंग में कैसे पहुँच गया था?*

(क) अपने पिता के साथ
(ख) गार्ड की आँखों में धूल झोंककर
(ग) दरवाजे में बने खाँचे में कार्ड डालकर
(घ) अपनी माँ के साथ घूमने के बहाने

3. *दरवाज़ा बंद कैसे हो गया?*

(क) जैसे ही छोटू ने कार्ड उठाया तो दरवाज़ा बंद हो गया।
(ख) छोटू ने सुरंग में जाकर स्वयं दरवाज़ा बंद कर दिया।
(ग) छोटू ने गार्ड को दरवाज़ा बंद करने के लिए कहा।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

4. *छोटू ने वहाँ क्या देखा?*

(क) ज़मीन के अंदर जाने का मार्ग
(ख) सुरंगनुमा टेड़ामेढ़ा रास्ता
(ग) एक सुरंग से दूसरी सुरंग में जाने का मार्ग
(घ) ज़मीन के ऊपर ज़ाने का मार्ग

5. *'सिक्योरिटी पास' की क्या विशेषता थी?*

(क) विशेष लोग जो सुरंगनुमा रास्ते से काम पर जाते थे वे 'सिक्योरिटी पास' का इस्तेमाल करते थे।
(ख) 'सिक्योरिटी पास' लेकर लोग सुरंग में जा सकते थे।
(ग) 'सिक्योरिटी पास' विशेष लोगों के घूमने के लिए था।
(घ) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर– 1. (घ) 2. (ग) 3. (क) 4. (घ) 5. (क)

3 "मैं वहाँ एक खास किस्म का स्पेस-सूट पहनकर जाता हूँ। इस स्पेस-सूट से मुझे ऑक्सीजन मिलता है, जिससे मैं साँस ले सकता हूँ। इसी स्पेस-सूट की वजह से बाहर की ठंड से मैं अपने आपको बचा सकता हूँ। खास किस्म के जूतों की वजह से ज़मीन के ऊपर मेरा चलना मुमकिन होता है। ज़मीन के ऊपर चलने-फिरने के लिए हमें एक विशेष प्रकार का प्रशिक्षण दिया जाता है।"

प्रश्न–
(पृष्ठ 35-36)

(क) *उपर्युक्त गद्यांशों में 'मैं' का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 'मैं' स्पेस-सूट पहनकर क्यों जाता था?*

(ख) *स्पेस सूट की क्या उपयोगिता है?*

(ग) *ज़मीन पर चलना कैसे संभव हो पाता है?*

उत्तर–(क) उपर्युक्त गद्यांश में 'मैं' का प्रयोग छोटू के पापा के लिए हुआ है। छोटू के पापा विशेष प्रकार का स्पेस-सूट पहनकर जाते थे। इससे उन्हें ऑक्सीजन मिलती थी जिससे वे साँस लेते थे। यह स्पेस-सूट उन्हें बाहरी ठंड से भी बचाता था।

(ख) ज़मीन के ऊपर चलने के लिए स्पेस सूट आवश्यक है। उसके बिना ज़मीन पर नहीं चला जा सकता। स्पेस-सूट से ही सांस लेने के लिए ऑक्सीजन मिलती है। इससे वहाँ की ठंड से बचना संभव होता है। इस प्रकार स्पेस-सूट बहुत उपयोगी है।

(ग) बाहरी ज़मीन पर चलने के लिए विशेष प्रकार के जूतों की आवश्यकता होती थी। इसके लिए ट्रेनिंग भी दी जाती थी।

4 "एक समय था, जब अपने मंगल ग्रह पर सभी लोग जमीन के ऊपर ही रहते थे। बगैर किसी तरह के यंत्रों की मदद के, बगैर किसी खास किस्म की पोशाक के, हमारे पुरखे जमीन के ऊपर रहा करते थे लेकिन धीरे-धीरे वातावरण में परिवर्तन आने लगा। कई तरह के जीव धरती पर रहा करते थे, एक के बाद एक सब मरने लगे। इस परिवर्तन की जड़ में था–सूरज में हुआ परिवर्तन। सूरज से हमें रोशनी मिलती है, ऊष्णता मिलती है। इन्हीं तत्त्वों से जीवों का पोषण होता है। सूरज में परिवर्तन होते ही यहाँ का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। प्रकृति के बदले हुए रूप

(ख) हमारे पास ऐसे यंत्र नहीं हैं जिनकी सहायता से अंतरिक्ष यान को बेकार कर ज़मीन पर उतरने के लिए विवश किया जा सके।

(ग) यदि अंतरिक्षयान स्वयं ज़मीन पर उतरते हैं तो हम उन्हें बेकार करने की क्षमता रखते हैं।

4. प्रश्न-अभ्यास

(*पृष्ठ 40-42*)

कहानी से

प्रश्न 1. छोटू का परिवार कहाँ रहता था?

उत्तर–छोटू का परिवार ज़मीन के नीचे बसी कालोनी में रहता था।

प्रश्न 2. छोटू को सुरंग में जाने की इजाज़त क्यों नहीं थी? पाठ के आधार पर लिखो।

उत्तर–सुरंग में कुछ विशेष लोगों को ही जाने की अनुमति प्राप्त थी। छोटू के पापा भी ऐसे व्यक्तियों में से थे जिन्हें इस सुरंग में जाने की अनुमति मिली हुई थी। वे इस सुरंग के रास्ते से ही काम पर जाया करते थे। उन्हें एक सिक्योरिटी कार्ड मिला हुआ था जिसे खांचे में डालने से ही सुरंग में जाया जा सकता था। छोटू अभी बच्चा था इसीलिए उसे सुरंग में जाने की अनुमति नहीं थी।

प्रश्न 3. कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने क्या देखा और वहाँ उसने क्या हरकत की?

उत्तर–कंट्रोल रूम में जाकर छोटू ने कॉन्सोल पैनेल देखा। कॉन्सोल पर बटन दबाने की इच्छा को वह रोक नहीं पाया। उसने लाल बटन दबा दिया। लाल बटन दबाते ही खतरे की घंटी सहसा बजने लगी। इससे सबकी नज़रें कॉन्सोल पर चली गईं।

प्रश्न 4. इस कहानी के अनुसार मंगल ग्रह पर कभी आम जन-जीवन था। वह सब नष्ट कैसे हो गया? इसे लिखो।

उत्तर–इस कहानी के अनुसार एक समय था जब मंगल ग्रह पर सभी लोग ज़मीन के ऊपर रहते थे। इसके लिए उन्हें किसी प्रकार के यंत्र की सहायता नहीं लेनी पड़ती थी। वे सामान्य जीवन जीते थे तथा आम व्यक्तियों की भाँति किसी विशेष प्रकार की वेश-भूषा के बिना ज़मीन पर रहा करते थे। धीरे-धीरे वहाँ के वातावरण में परिवर्तन आने लगा। इससे धरती पर रहने वाले कई प्रकार के जीव धीरे-धीरे एक के बाद एक मरने लगे। इस परिवर्तन का कारण सूर्य में आया परिवर्तन था। सूर्य में परिवर्तन होते ही प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया। इस बिगड़े संतुलन का सामना वहाँ के पशु-पक्षी, पेड़-पौधे और अन्य जीव नहीं कर पाए। इस कारण वहाँ का आम जीवन समाप्त एवं नष्ट हो गया।

प्रश्न 5. कहानी में अंतरिक्ष यान को किसने भेजा था और क्यों?

उत्तर–अंतरिक्ष यान को नेशनल एअरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने भेजा था।

नासा के वैज्ञानिक मंगल ग्रह की मिट्टी का अध्ययन करना चाहते थे। वे इस अध्ययन द्वारा यह पता लगाना चाहते थे कि क्या मंगल ग्रह पर पृथ्वी की तरह के जीव रहते हैं या नहीं। इसी उद्देश्य से 'नासा' ने अंतरिक्ष यान भेजा था।

प्रश्न 6. नंबर एक, नंबर दो और नंबर तीन अजनबी से निबटने के कौन से तरीके सुझाते हैं और क्यों?

उत्तर–नंबर एक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। अतएव उसने कालोनी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सुझाव दिया कि दोनों अंतरिक्ष यानों को हम जलाकर खाक कर सकते हैं, पर इससे हमें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाएगी। अंतरिक्ष यानों को बेकार कर ज़मीन पर उतरने के लिए मज़बूर करने वाले यंत्र हमारे पास नहीं हैं। यदि ये अंतरिक्ष यान स्वयं ज़मीन पर उतरते हैं तो उन्हें बेकार करने के यंत्र हमारे पास हैं।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. *'साथी हाथ बढ़ाना' शब्द किस ओर संकेत करते हैं?*

   (क) हाथ थामने का (ख) हाथ आगे करने का (ग) सहायता करना (घ) मिलकर कार्य करना

2. *मिलकर मेहनत करने से क्या संभव है?*

   (क) बड़ी से बड़ी मुश्किल हल हो जाती है।

   (ख) सागर भी रास्ता दे देते हैं।

   (ग) पर्वत झुक जाते हैं अर्थात् बाधाएँ स्वतः हल हो जाती हैं।

   (घ) उपर्युक्त सभी।

3. *हम कैसे हैं और क्या कर सकते हैं?*

   (क) हममें अपार शक्ति है; हम बड़ी से बड़ी बाधा भी दूर कर सकते हैं।

   (ख) हममें अपार शक्ति है; हम सबका मुकाबला कर सकते हैं।

   (ग) हममें अपार शक्ति है; हम सभी कार्य जल्दी कर सकते हैं।

   (घ) हममें अपार शक्ति है; हम अपने कार्य के साथ-साथ दूसरों का कार्य भी कर सकते हैं।

4. *'फौलादी' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।*

   (क) लोहे के बने, मजबूत (ख) पक्के और मजबूत

   (ग) धातुओं के मिश्रण से बने (घ) पीतल व लोहे से निर्मित

5. *काव्यांश का संदेश स्पष्ट कीजिए।*

   (क) हमें प्रत्येक कार्य मिल-जुलकर करना चाहिए। (ख) अपने मार्ग स्वयं बनाओ।

   (ग) सबकी सहायता हेतु तैयार रहो। (घ) दिए गए सभी

उत्तर– 1. (घ) 2. (घ) 3. (क) 4. (क) 5. (क)

3

एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत

सकता है।

बहुवैकल्पिक प्रश्नोत्तर

1. 'एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया' से क्या आशय है?
   (क) एक-एक व्यक्ति मिलकर ही देश का निर्माण करता है।
   (ख) एक-एक बूँद मिलकर सागर का रूप ग्रहण करती है।
   (ग) एक-एक व्यक्ति की भावनाएँ मिलकर ही परोपकारी समाज की नींव रखती हैं।
   (घ) एक-एक विचार मिलकर ही किसी बड़े कार्य को अंजाम देते हैं।
2. इस पद्यांश में क्या संदेश दिया गया है?
   (क) जीवन में मेल-जोल जरूरी है।
   (ख) संगठन में शक्ति है।
   (ग) अपने साथ दूसरों का भी उद्धार करना चाहिए।
   (घ) सदा नवीन कार्यों की ओर प्रेरित होना

3. *संगठन हेतु किन-किन का उदाहरण दिया गया है?*

(क) (*i*) पानी की बूँद-बूँद से सागर बनना
(*ii*) रेत के कणों से रेगिस्तान बनना
(*iii*) राई के दानों से पर्वत बनना

(ख) (*i*) पानी की बूँद-बूँद से सागर बनना
(*ii*) एक-एक धागे से रस्सी बनना
(*iii*) राई के दानों से पर्वत बनना

(ग) (*i*) एक-एक ईंट से महल बन जाना
(*ii*) राई के दानों से पर्वत बनना
(*iii*) रेत के कणों से रेगिस्तान बनना

(घ) (*i*) मधुमक्खियों द्वारा शहद का छत्ता बनाना
(*ii*) राई के दानों से पर्वत बनना
(*iii*) बूँद-बूँद से सागर बनना।

4. *इंसान से इंसान मिलकर क्या कर सकता है?*

(क) बड़े से बड़ा निर्माण कार्य
(ख) भाग्य को अपने वश में
(ग) दूसरे देशों से प्रति स्पर्धा
(घ) दूसरे देशों को अपने कब्ज़े में

5. *गीतकार ने किससे हाथ बढ़ाने की बात कही है और क्यों?*

(क) सभी देशवासियों को क्योंकि सभी का भाग्य एक दूसरे से जुड़ा है।
(ख) सभी युवाओं को क्योंकि वे ही कार्य करने में सक्षम होते हैं।
(ग) सभी अमीर लोगों को क्योंकि नवीन सुविधाएँ जुटाने के लिए उनके पास धन है।
(घ) सरकार के चुने हुए नेताओं को क्योंकि उनके हाथों में सभी कार्यों की बागडोर है।

उत्तर– 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख) 5. (क)

3. प्रश्न-अभ्यास

(*पृष्ठ 44-46*)

गीत से

प्रश्न 1. **इस गीत की किन पंक्तियों को तुम अपने आसपास की ज़िंदगी में घटते हुए देख सकते हो?**

उत्तर–इस गीत की निम्नलिखित पंक्तियों को अपने आसपास की ज़िंदगी में घटते हुए देख सकते हैं–

(क) हम मेहनत वालों ने जब भी, मिलकर कदम बढ़ाया
सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया।

(ख) एक से एक मिले तो कतरा, बन जाता है दरिया
एक से एक मिले तो ज़र्रा, बन जाता है सेहरा
एक से एक मिले तो राई, बन सकती है परबत
एक से एक मिले तो इंसाँ, बस में कर ले किस्मत।

प्रश्न 2. 'सागर ने रस्ता छोड़ा, परबत ने सीस झुकाया'–**साहिर ने ऐसा क्यों कहा है? लिखो।**

उत्तर–यह जीवन की सच्चाई है। यदि हम जीवन में मिल-जुलकर काम करते हैं तो बड़ी-से-बड़ी मुश्किल भी आसान हो जाती है। हम बड़ी-से-बड़ी शक्ति को भी झुकने पर विवश कर सकते हैं। संगठन में बहुत बड़ी शक्ति है। इसीलिए साहिर ने यह कहा है कि यदि मनुष्य मिलकर आगे बढ़ते हैं तो सागर को रास्ता देना पड़ता है और पर्वत भी उनके कदमों में शीश झुका देते हैं।

प्रश्न 3. गीत में सीने और बाँहों को फ़ौलादी क्यों कहा गया है?

उत्तर–गीत में सीने और बाहों को फ़ौलादी कहकर यह स्पष्ट किया गया है कि हमारी बाजुओं में अपार शक्ति है। हम ताकतवर हैं। हम बलवान हैं। हममें शक्ति, बल, ताकत की कमी नहीं है। साथ ही हम साहसी भी हैं। हमारे सीने हर प्रकार की मुश्किलों को सहन करने में समर्थ हैं। हममें उत्साह है, हिम्मत है और संघर्ष करने की क्षमता है।

गीत से आगे

प्रश्न 1. अपने आसपास तुम किसे 'साथी' मानते हो और क्यों? इससे मिलते-जुलते कुछ और शब्द खोजकर लिखो।

उत्तर–मैं अपने आस-पास रहने वाले, साथ काम करने वाले और साथ पढ़ने वाले को अपना 'साथी' मानता हूँ क्योंकि मुश्किल समय में 'साथी' ही काम आते हैं।

साथी से मिलते-जुलते ये हैं–मित्र, दोस्त, सहपाठी, सहचर, संगी, सहायक, शुभचिंतक, हितैषी, सखा, बंधु, भाई आदि।

प्रश्न 2. 'अपना दुख भी एक है साथी, अपना सुख भी एक'